**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय**

**रक्षा विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 1310**

**14 मार्च, 2017 को उत्तर के लिए**

 **मेडलों की न्यून आपूर्ति**

**1310. श्री राजीव चन्द्रशेखरः**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

1. वर्ष 2006 से 2016 तक सशस्त्र बलों में मेडलों की कुल आवश्यकता कितनी रही है;
2. उपर्युक्त अवधि के दौरान सशस्त्र सेना को कितने मेडलों की आपूर्ति की गई है;
3. क्या सशस्त्र बलों के सैनिकों के लिए मेडलों की आपूर्ति में कमी आ रही है;
4. यदि हां, तो मेडलों के बैकलॉग को पूरा करने के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए हैं;
5. सरकार द्वारा इन बैकलॉग मेडलों की पूर्ति कब तक कर दी जाएगी; और
6. मेडलों की विलंब से और न्यून आपूर्ति की समस्या का समाधान करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं/किए जाने हैं ?

**उत्तर**

**रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (डॉ. सुभाष भामरे)**

(क) 31.12.2016 की स्थिति के अनुसार तीनों सेनाओं अर्थात सेना, नौसेना और वायु सेना को जारी किए जाने के लिए लगभग 16,82,577 सर्विस मेडल लंबित हैं।

(ख) जनवरी, 2013 से दिसम्बर, 2016 तक सैन्य बलों को आपूर्ति किए गए मेडलों की कुल संख्या 1,68,268 है।

(ग) जी, हां।

(घ) सैन्य विनियम और प्रपत्र निदेशालय (डीएमआर एंड एफ) लगातार और जोरदार ढंग से सर्विस मेडलों के पिछले बकाया (बैकलॉग) का निपटान करने का प्रयास कर रहा है। इस बैकलॉग का निपटान करने के लिए 7,60,000 और 9,89,600 मेडलों की अधिप्राप्ति के लिए क्रमशः दो प्रस्ताव पहले से ही पाइपलाइन में हैं।

(ड.) सैन्य विनियम और प्रपत्र निदेशालय (डीएमआर एंड एफ) द्वारा सर्विस मेडल की अधिप्राप्ति सेना, नौसेना एवं वायु सेना के 60 रिकार्ड कार्यालय से प्राप्त मांगपत्रों के आधार पर की जाती है जो एक सतत रूप से चलने वाली प्रकिया है। सामान्यतः डीपीएम 2009 के अनुसार एक अधिप्राप्ति प्रस्ताव को पूरा करने में 23 सप्ताह का समय लगता है।

(च) विगत तीन वर्षों के दौरान मेडलों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए मांग के पूर्वानुमान में अधिप्राप्ति प्रस्तावों को डीएमआर एंड एफ द्वारा आगे बढ़ाया जाना प्रस्तावित किया जाता है।

\*\*\*